

प्रेषक,

डा० राकेश कुमार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 10 अगस्त, 2009

विषय:- वित्तीय वर्ष 2009-10 के बजट के अनुदान संख्या-12 की वित्तीय स्वीकृतियों निर्गत किया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 515(1)/XXVII(1)/2009 दिनांक 28.07.2009 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वर्ष 2009-10 का बजट स्वीकृत होने व तत्सम्बन्धी विनियोग अधिनियम, 2009 पारित होने के फलस्वरूप आवश्यक वचनबद्ध मदों यथा वेतन, महंगाई भत्ते, अन्य भत्ते तथा अनुदान के रूप में सरकारी सेवकों तथा गैर सरकारी सेवकों के वेतन एवं वचनबद्ध मदों में मजदूरी, विद्युत देय, जलकर किराया, पेंशन, औषधि, भोजन व्यय, पेट्रोल, टेलीफोन तथा अन्य आवश्यक व्ययों का भुगतान सुनिश्चित किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2009-10 के बजट की समस्त संलग्नक में अंकित धनराशि आयोजनेत्तर पक्ष में ₹0 29,21,16,000.00 (₹0 उन्नतीस करोड़ इक्कीस लाख सौलाह हजार मात्र) की समस्त धनराशि आपकी निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- योजनागत पक्ष की स्वीकृतियां नियोजन विभाग के माध्यम से वित्त विभाग को प्रस्तुत की जायेगी तथा आयोजनेत्तर पक्ष में अवचनबद्ध मदों की स्वीकृतियां वित्त विभाग की सहमति से जारी की जायेगी। जारी की गयी स्वीकृत आदेश की प्रति महालेखाकार, उत्तराखण्ड तथा वित्त विभाग को भी पृष्ठांकित की जायेगी।

3- यदि किसी योजना/शीर्षक एवं मद में आय-व्ययक 2009-10 में बजट प्राविधान लेखानुदान में प्राविधानित धनराशि से कम हो तो धनराशि आय-व्ययक प्राविधान की सीमा तक ही व्यय की जायेगी।

4- वित्तीय वर्ष 2009-10 में इसके पूर्ववर्ती वर्षों के एरियन भुगतान यदि कोई हो, के विवरण की सूचना अलग से रखी जायेगी।

5- अप्रैल, 2009 से नये पदों के भरे जाने के फलस्वरूप होने वाले व्यय के सापेक्ष श्रेणीवार पदों (समूह क, ख, ग, घ) की सूचना रखी जायेगी, जिससे वित्तीय वर्ष के अन्तर्गत विभागवार श्रेणीवार भरे जाने वाले पदों तथा इसके सामंश होने वाले व्यय की जानकारी प्राप्त हो सके।

6- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका में नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों हेतु पूरे वर्ष के सम्भावित व्यय की फेजिंग की जायेगी तथा लक्ष्य के अनुसार भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा/अनुश्रवण किया जाना अनिवार्य रूप से आवश्यक होगा।

7- सामान्यतः केन्द्र पोषित योजनाओं के राज्यांश की धनराशि केन्द्रांश प्राप्त होने के उपरान्त जारी की जायेगी। जिन केन्द्रीय योजनाओं हेतु सैद्धान्तिक सहमति प्राप्त है अथवा केन्द्र सरकार की वचनबद्धता परिलक्षित होती है। ऐसी योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ करने के लिए वित्त विभाग की सहमति के उपरान्त अग्रिम के तौर पर आशित वित्तीय स्वीकृति जारी की जा सकती है।

8- जिन योजनाओं में प्रतिपूर्ति प्राप्त की जानी अवशेष हो उसमें शासन की पूर्व सहमति ली जायेगी तथा भारत सरकार को समय से ऑडिट की प्रतिपूर्ति के दायक प्रस्तुत किये जायेंगे ताकि इसके अभाव में प्रतिपूर्ति दावों के भुगतान में कठिनाई/विलम्ब न हो। पुर्निविनियोजन का प्रस्ताव बजट मैनुअल के पैरा-151 के अन्तर्गत प्रस्ताव का परीक्षण करने के उपरान्त ही भेजा जाय। यह भी उल्लेखनीय है कि राजस्व पक्ष से पूंजी पक्ष तथा पूंजी पक्ष से राजस्व पक्ष में पुर्निविनियोग प्रतिबन्धित है।

9- पूर्व माह के व्यय की सूचना बी०एम०-13 पर प्रतिमाह विलम्बतम् 20 तारीख तक उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

10- बाह्य सहायतित परियोजनाओं, अनुसूचित जातियों के लिए स्पेशल कम्पोनेंट प्लान तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए ट्राइबल सब प्लान के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का व्यय तत्परता से किया जायेगा।

11- किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्वोरमेंट रूल्स-2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि की कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

13- निवर्तन पर रखी गयी धनराशि संलग्नकानुसार कुछ मदों में आयोजनागत पक्ष से स्थानान्तरित की गयी है, जिसका विशेष रूप से पालन किया जाय।

14- जिन अनुदानों में राजस्व अथवा पूर्णगत पक्ष में वित्तीय वर्ष 2009-10 में एकमुश्त व्यवस्था का प्राविधान, ऐसी स्वीकृतियों के जारी किये जाने के पूर्व बजट मैनुअल के पैरा-94 में उल्लिखित दिशा-निर्देशों का अनुपालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर लिया जाय।

15- अनुदानों को विभागवार एवं विभागाध्यक्ष तैयार करने के कारण एक ही लेखाशीर्षक अनेक अनुदानों के अन्तर्गत प्रदर्शित होता है, जिसके फलस्वरूप महालेखाकार को कार्यालय में व्यय को सही लेखाशीर्षक/अनुदान के अन्तर्गत पुस्तान्वित करने में कठिनाई होती है और सुसंगत लेखाशीर्षक /अनुदान के अधीन त्रुटि रह जाने की संभावना बनी रहती है। इस हेतु यह आवश्यक है कि सभी वित्तीय स्वीकृतियाँ शासनादेश संख्या-बी-2-2237/97 दिनांक 21 नवम्बर 1997 के प्रारूप में सही लेखाशीर्षक इंगित करते हुए ही निर्गत की जाये, जो बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय, उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्य किया जाये। बजट नियंत्रक अधिकारी बी0एम0-17 पर आवंटन सम्बन्धी विवरण तथा आवंटन आदेश हेतु निर्धारित प्रारूप पर आहरण-वितरण अधिकारियों को बजट आवंटन था तथा जिस अधिकारी का नमूना हस्ताक्षर समस्त कोषागारों में परिचालित हो, के हस्ताक्षर से अनुदान के अधीन आयोजनागत एवं आयोजनेत्तर की धनराशियाँ पूर्व निर्गत शासनादेशों के क्रम में जारी किया जाय अन्यथा कोषागार द्वारा भुगतान नहीं किया जायेगा, जिसके लिए सम्बन्धित अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

16- उपरोक्त निर्देशों एवं वित्त अनुभाग के उक्त सन्दर्भित शासनादेश दिनांक 28 जुलाई, 2009 द्वारा दिये गये निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

संलग्न यथोक्त-

भवदीय,

(डा० राकेश कुमार)
सचिव।

सं०- 611 /XXVIII(1)/2009/13/2004 TC-1 तद दिनांक
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
- 2-चिकित्सा अधीक्षक हे०न०ब० बेस एलोपैथिक चिकित्सालय, श्रीनगर, पौड़ी गढ़वाल।
- 3-आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 4-जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड।
- 5-निदेशक कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 6-वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- 7-महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 8-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 9-कोषाधिकारी, पौड़ी।
- 10-बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
- 11-वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03/नियोजन विभाग/एन०आई०सी०।
- 12-गार्ड फाईल।

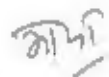
आज्ञा से,

(मायावती ढकरीयाल)
उप सचिव।

सं०- 611 /XXVIII(1)/2009/13/2004 TC-1 दिनांक 10 अगस्त, 2009 का संलग्नक
(धनराशि रु० हजार में)

लेखाशीर्षक	आयोजनेत्तर
2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य	
05 चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान	
105 पारंपारिक शिक्षा पद्धति	
04 मेडिकल कॉलेज	
0402 हे०न०ब० बेस ऐलोपैथिक चिकित्सालय (टीचिंग हॉस्पिटल)	
01 वेतन	69192
03 महंगाई भत्ता	11738
04 यात्रा व्यय	300
05 स्थानान्तरण यात्रा व्यय	200
06 अन्य भत्ता	70
08 कार्यालय व्यय	1000
11 लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	150
12 कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	500
13 टेलीफोन पर व्यय	300
15 गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	3000
16 व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	6000
22 अतिथि व्यय विषयक भत्ता आदि	200
26 मशीन और सज्जा / उपकरण और संचय	1000
27 चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	500
39 औषधि तथा रसायन	80000
41 भोजन व्यय	10000
42 अन्य व्यय	1500
46 कम्प्यूटर हार्डवेयर/ सॉफ्टवेयर क्रय	1000
47 कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	200
0403 ब्लड बैंक की स्थापना (टीचिंग हॉस्पिटल)	
01 वेतन	2530
03 महंगाई भत्ता	1092
04 यात्रा व्यय	50

01	वेतन	917
03	महंगाई भत्ता	466
04	यात्रा व्यय	50
05	स्थानान्तरण यात्रा व्यय	10
06	अन्य भत्ते	21
27	चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	50
0405 राजकीय सहायता प्राप्त चिकित्सालयों को अनुदान (टीचिंग हॉस्पिटल)		
20	सहायता अनुदान/अंशदान/राज सहायता	100000


 (मायावती डकरीयाल)
 उप सचिव।